अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। - www.onlinedoctranslator.com

व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि - पत्तल बनाना

स्वयं सहायता समूह- स्वस्थानी माँ

विभाग का नाम	देहरा
रेंज का नाम	देहरा
वीएफडीएस का नाम	चपलाह झिकला
स्वयं सहायता समूह का नाम	स्वस्थानी माँ

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जाईका सहायता प्राप्त)

विषय-सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5.	कार्यकारी सारांश	6
6.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
7.	उत्पादन प्रक्रियाएं	7
8.	उत्पादन योजना	8
9.	बिक्री विपणन	9
10.	स्वाट विश्लेषण	9-10
11।	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	10-11
13.	आय और व्यय का विश्लेषण	12
14.	निधि की आवश्यकता	12
15.	निधि के स्रोत	13
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	14
18.	बैंक ऋण चुकौती	14
19.	निगरानी विधि	14-15
20.	टिप्पणी	15
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	16
22.	समूह फोटो	17
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	18
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	19

1 परिचय-

स्वस्थानी माँ एसएचजी का गठन हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका सहायता प्राप्त) के तहत किया गया था, जो वीएफडीएस चपलाह झिकला और रेंज देहरा के अंतर्गत आता है। इस एसएचजी में 12 महिलाएं हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से पत्तल/कागज़ (प्लेट) और दुना (कटोरा) बनाने का फैसला किया, जो उनकी आय सृजन गतिविधि (आईजीए) है। इन लोगों के पास पहले से ही आस-पास के जंगल में प्रचुर मात्रा में टोर के पत्ते थे। इस तरह के पत्तल/कागज़ की मांग इलाके के साथ-साथ आस-पास के बाज़ार में भी बहुत ज़्यादा है।

टोर के पत्तों से प्लेट बनाना कोई नई बात नहीं है। यह एक पुरानी अवधारणा है, जिसमें एक व्यक्ति टोर के पत्तों को इकट्ठा करता था, उन्हें धोकर साफ करता था और फिर दो से तीन पत्तों को लकड़ी के छोटे पिनों से बांध देता था। यह पारंपरिक तरीका आज भी मौजूद है, लेकिन बहुत कम संख्या में। पारंपरिक तरीके से टोर के पत्तों से प्लेट बनाने का चलन कम होने का मुख्य कारण यह है कि बाजार में एल्युमिनियम प्लेट जैसी दूसरी प्लेटें उपलब्ध नहीं हैं और टोर के पत्तों से बनी प्लेट की शेल्फ लाइफ कम है। दूसरा कारण यह है कि इसमें समय लगता है और बहुत अधिक श्रम की आवश्यकता होती है और अब बहुत कम लोग बचे हैं जो पारंपरिक तरीके से प्लेट बनाते हैं।

चूंकि पर्यावरण के अनुकूल चीजों की मांग बढ़ रही है, इसलिए यह एक अच्छी आय सृजन गतिविधि है जो पूरी तरह से बायो-डिग्रेडेबल है और इसका मानव स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, यह पूरी तरह से सुरक्षित है और एल्युमीनियम प्लेटों की जगह ले सकती है। एल्युमीनियम प्लेटें अच्छी हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए कोई गंभीर खतरा नहीं हैं, लेकिन चूंकि संसाधनों की कमी है और एल्युमीनियम एक महत्वपूर्ण संसाधन है, इसलिए इसका उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, टोर के पत्तों की प्लेट बनाने की पारंपरिक विधि बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए संभव नहीं है। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, अब बहुत कम समय में टोर के पत्तों की प्लेट बनाने के लिए बाजार में विशिष्ट मशीनें उपलब्ध हैं। बहुत से लोगों ने यह व्यवसाय शुरू किया है, लेकिन अभी भी ऐसे अन्य व्यवसायों के लिए बहुत गुंजाइश है जो फल-फूल सकते हैं। चूंकि ऐसी प्लेटों की मांग बहुत अधिक है। चूंकि इन महिलाओं के पास टोर के पत्तों की बड़ी आपूर्ति है और बाजार के बारे में जानने के बाद, उन्होंने मिलकर पत्तल/कागज़ बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना।

2.एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी का नाम	स्वस्थानी माँ
2.	वीएफडीएस	चपलाह झिकला
3.	रेंज	देहरादून
4.	वन मण्डल	देहरादून
5.	गाँव	चपलाह झिकला
6.	ब्लॉक	भरोली
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	12
9.	गठन की तिथि	03-09-2022
10.	बैंक का विवरण	एचडीएफसी बैंक
11 ।	बैंक खाता संख्या	**एसी नं.- 50100604065782**
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	50रु.
13.	कुल बचत	900रु.
14.	कुल अंतर ऋण	1%
15.	नकद क्रेडिट सीमा	2000रु.
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक	नाम	लिंग	पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	आय का स्रोत
1	पूनम शर्मा	महिला	दिनेश कुमार शर्मा	जनरल	प्रधान	कृषि
2	ललिता शर्मा	महिला	विजय कुमार	जनरल	कोशियर	कृषि
3	उषा	महिला	सोमनाथ	जनरल	सचिव	कृषि
4	शबनम	महिला	अभिषेक शर्मा	जनरल	सदस्य	कृषि
5	सोनल शर्मा	महिला	अक्षय कुमार	जनरल	सदस्य	कृषि
6	कुसुम लता	महिला	अरविंद कुमार	जनरल	सदस्य	कृषि
7	कृष्णा देवी	महिला	अनिल कुमार	जनरल	सदस्य	कृषि
8	ममता देवी	महिला	अनूप कुमार	जनरल	सदस्य	कृषि
9	बिंदना	महिला	मनीष कुमार पत्रा	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	कृषि
10	नीना देवी	महिला	पवन कुमार	जनरल	सदस्य	कृषि
11	सीमा देवी	महिला	रामपाल	जनरल	सदस्य	कृषि
12	परवीन कुमारी	महिला	अनिश कुमार	जनरल	सदस्य	कृषि

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	65 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	5किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	गगरुही&3 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	ज्वालामुखी-8किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	ज्वालामुखी-8किमी नादौन -10किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा ✧ ✧ ✧ ✧	कांगड़ा ज्वालामुखी नादौन देहरा

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा पत्तल बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। 40 प्लेटों का बंडल बनाने की प्रक्रिया में शुरू में 30 मिनट लगेंगे। बाद में, यह समय कम हो जाएगा क्योंकि समूह के सदस्य मशीन का उपयोग करने में सहज होंगे। उत्पाद को शुरू में समूह द्वारा सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

स्वयं सहायता समूह का नाम:स्वस्थानी माँ, **वीएफडीएस:** चपलाह झिकला वन मण्डल -देहरा .रेंज -देहरा

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	मशीनों द्वारा पत्तल बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि पर्यटन पत्तियों की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में है और प्लेट बनाने की प्रक्रिया भी आसान है। बाजार में प्लेटों की भारी मांग है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर की सहमति ~~———~~	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएँ-

मशीन पर पत्तल बनाने का प्रशिक्षण जाईका परियोजना द्वारा आपूर्तिकर्ता के माध्यम से समूह सदस्यों को मौके पर ही मशीन पर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मौके पर प्रदर्शन सहित प्रशिक्षण का पूरा खर्च जाईका परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

वीएफडीएस छपलह झिकला के वन क्षेत्र में टोर के पत्ते प्रचुर मात्रा में हैं।
सदस्य इन टौर पत्तों को इकट्ठा करेंगे और टौर पत्तल बनाने के लिए उनका उपयोग करेंगे। पत्तल बनाने की प्रक्रिया में, जंगल से पत्तियों को इकट्ठा करना और उन्हें उस स्थान पर लाना जहाँ मशीन स्थापित है

पत्तल बनाने की मशीन के निर्माण के अंतर्गत, समूह ने निम्नानुसार श्रम विभाजन का सुझाव दिया है: -

- मशीन का संचालन: -02 सदस्य
- मौके पर पत्तल बनाना: -04 सदस्य
- पत्तल का संग्रहण एवं परिवहन (मैनुअल एवं वाहन) - 03 सदस्य
- उत्पाद की बिक्री: -संयुक्त रूप से
- अपने समूह के सदस्यों के मुद्रित लोगो की व्यवस्था करना (प्रत्येक बंडल में 1 मुद्रित लोगो रखा जाएगा)
- खाता संभालना-2 सदस्य

समूह में कुल 12 सदस्य होने के कारण वे कार्य को कुशलतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। प्रत्येक मासिक बैठक में वे प्रत्येक सदस्य के कार्य को विभाजित करेंगे तथा उनका मासिक उत्पाद लक्ष्य निर्धारित करेंगे तथा आवश्यकता

पड़ने पर सदस्य की भूमिका भी बदल सकते हैं।

स्वयं सहायता समूह का नाम:स्वस्थानी माँ, **वीएफडीएस:** चपलाह झिकला वन मण्डल -देहरा .रेंज -देहरा

8. उत्पादन योजना-

1.	**उत्पादन चक्र**	कांगड़ा जिले में पत्तल की मांग आम तौर पर सभी गांवों और शहरी क्षेत्रों में है और आमतौर पर लोग विवाह और अन्य धार्मिक समारोह में उपयोग के लिए पत्तल खरीदते हैं। टोर के पत्तों की भारी मांग है क्योंकि वे पर्यावरण के अनुकूल हैं और लोग इसके प्रति जागरूक हैं तथा पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान देना चाहते हैं। जंगल में पत्तल बनाने और टोर पत्तों की उपलब्धता 16 महीने तक रहती है और ये पत्ते जून या जुलाई में उपलब्ध नहीं होते हैं।
2.	**प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या में)**	सभी महिलाएं. पत्तल बनाने की मशीन की स्थापना के बाद समूह के सदस्यों के बीच श्रम का विभाजन निम्नानुसार होगा: - मशीन का संचालन: -03 सदस्य, मौके पर पत्तल बनाना: -0 4 सदस्य पत्तल का संग्रहण और परिवहन (मैनुअल और वाहन): -0 5 सदस्य उत्पाद की बिक्री: - संयुक्त रूप से अपने समूह-के 3 सदस्यों के मुद्रित लोगो को व्यवस्थित करना (प्रत्येक बंडल में 1 मुद्रित लोगो रखा जाएगा) खाता प्रबंधन- 3 सदस्य
3.	**कच्चे माल का स्रोत**	पास का जंगल.
4.	**अन्य संसाधनों का स्रोत**	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5.	**(1) प्रति आवश्यक मात्रा महीना(प्लेटें)**	17100 भूरे रंग के कार्डबोर्ड पेपर और टॉर पत्ते 760 किग्रा

6.	**प्रति वर्ष अपेक्षित उत्पादन महीना (प्लेटें)**	17100 प्लेटें / माह

8 **स्वयं सहायता समूह का नाम:**स्वस्थानी माँ, **वीएफडीएस:** चपलाह झिकला वन मण्डल -देहरा .रेंज -देहरा

9. बिक्री एवं विपणन-

1	**संभावित बाज़ार स्थान**	कांगड़ा, ज्वालामुखी, नादौन ,देहरा
2	**इकाई से दूरी**	✧ कांगड़ा- 44किमी ✧ ज्वालामुखी-8किमी ✧ नादौन-10किमी ✧ देहरा-20किमी
3	**उत्पादन बाजार की मांग**	पत्तलों की मांग पूरे वर्ष रहती है। संभावित मांग विवाह, अन्य धार्मिक कार्यों से होगी।
4	**बाजार की पहचान की प्रक्रिया**	समूह के सदस्यों के अनुसार, उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के आधार पर खुदरा विक्रेता या थोक विक्रेता की सूची का चयन किया जाएगा। शुरुआत में उत्पाद को नजदीकी बाजार में बेचा जाएगा।
5	**उत्पाद का विपणन रणनीति**	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे अपना उत्पाद बेचेंगे गांव की दुकानों और विनिर्माण सेस्थान/दुकान। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता द्वारा, निकटवर्ती बाजारों की थोक बिक्री।
6	**उत्पाद ब्रांडिंग**	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद इच्छा होना CIG/SHG ब्रांडिंग द्वारा विपणन किया गया। बाद में इस IGA को क्लस्टर में ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है स्तर।
7	**उत्पाद "नारा"**	"स्वस्थानों में एसएचजी का एक उत्पाद -पर्यावरण अनुकूल पत्तल"

10.

❖

स्वाट विश्लेषण

कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।

- ✧ विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.
- ✧ उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
- ✧ उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
- ✧ उत्पादन लागत कम है
- ✧ अन्य समान उत्पाद के साथ कुछ प्रतिस्पर्धाएँ।
- ✧ एक अच्छी तरह से स्थापित ब्रांड बनने की उच्च संभावना.

स्वयं सहायता समूह का नाम:स्वस्थानी माँ, **वीएफडीएस:** चपलाह झिकला, वन मण्डल -देहरा .रेंज - देहरा

- **कमजोरी-**
  - मशीन से पत्तल बनाने का अनुभव न होना।
  - नये स्वयं सहायता समूह को प्रबंधन एवं योजना बनाते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

- **अवसर-**
  - इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि इसी श्रेणी के अन्य उत्पाद कम हैं जो पर्यावरण अनुकूल हैं।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
  - शादी-ब्याह और अन्य समारोहों के दौरान इसकी मांग बहुत अधिक होती है। स्थानीय खाद्य स्टॉलों से भी इसकी दैनिक मांग आ सकती है।

- **खतरे/जोखिम-**
  - समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी और समूह के सदस्यों के बीच श्रम के वितरण में नेतृत्व की कमी।
  - वर्षा ऋतु में पेड़ों की पत्तियां गिरने के समय अग्रभूमि से कच्चे माल की उपलब्धता बहुत कम हो जाएगी।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण-

A. पूंजीगत लागत				
क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	डाई के साथ पेपर प्लेट बनाने की मशीन	1	75000	75000
2	अन्य सामग्री (पत्तल और पैकेजिंग मैट एक्सटेंशन बोर्ड बनाने के लिए कागज) आदि।	रास	10000	10000
3	परिवहन	रास	-	5000
कुल पूंजी लागत (ए)=		रु. 90000/-		

B. आवर्ती लागत					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कमरे का किराया	महीना	1	1500	1500
2	पैकेजिंग सामग्री	महीना	लगभग	0.5 प्रति शीट	5,000
3	(बिजली, पानी का बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	लगभग	3,000	3,000
4	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	महीना	लगभग	2000	2000
5	भूरे रंग का कार्डबोर्ड पेपर	लगभग	लगभग	0.5 रुपये प्रति शीट	15000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 26500/-					

C. उत्पादन की लागत		
क्रमांक	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	26500
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9000
कुल = 35500		

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह)-

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्रमांक	**विवरण**		**मात्रा**
1	पत्तल का उत्पादन	महीना	60000
2	अपेक्षित बिक्री कीमत	3 रुपये प्रति यूनिट	180000

क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9000
2	कुल आवर्ती लागत	26500
3	कुल उत्पादन (प्लेट)	60000
4	विक्रय मूल्य (प्रति प्लेट)	3 रुपए
5	आय पीढ़ी	180000/-
6	शुद्ध लाभ (विक्रय मूल्य (3 रुपये प्रति प्लेट)- उत्पादन मूल्य (रु.1.5/प्लेट)	180000-90000= 90000/-
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ + श्रम लागत।	90000+12500= 202500/-
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ वितरित किया जाएगा सदस्यों के बीच मासिक/वार्षिक आधार पर समान रूप से वितरण किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत

		को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आगे के लिए किया जाएगा आईजीए में निवेश

		✧ एसएचजी बैंक खाता मे 1 लाख रुपए जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-उन्नयन लागत. ✧ DMU द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान मे जमा की जाएगी और यह सुविधा सिर्फ तीन साल के लिए होगी। साल। स्वयं सहायता समूह को मूल राशि की किस्तों का भुगतान नियमित आधार पर करना होता है	संबंधित डीएमयू /एफसीसीयू सभी औपचारिकताएं. का पालन करने के बाद की जाएंगी	
	स्वयं सहायता समूह का योगदान	✧ पूंजीगत लागत का 25% SHG द्वारा वहन किया जाएगा लेकिन सदस्य निम्न वर्ग के है **और वे** **25% योगदान** कर सकते है **और परियोजना** को **शेष 75%** बहन करना होगा ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी		

14. निधि की आवश्यकता

क्रमांक	विवरण	कुल राशि	परियोजना योगदान 75%	एसएचजी योगदान 25%
1.	कुल पूंजी लागत	90000	67500	22500
2.	कुल आवर्तीलागत	26500	-	26500
3.	प्रशिक्षण क्षमता	45000	45000	-
	कुल	**161500/-**	**112500/-**	**49000/-**

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना-

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति प्लेट)-उत्पादन लागत (प्रति प्लेट))

= 90000/(3-1.5)

= 0

यह प्रक्रिया 60,000 प्लेटें बेचने के बाद ही पूरी हो पाएगी।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है, तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी।एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होगा।

.

19. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी, ताकि प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए, ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी क्षेत्रों के लिए कुछ प्रमुख संकेतक:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

20.टिप्पणी

समूह का आगामी लक्ष्य मशीन पत्तल और दूना के रूप में मूल्य संवर्धन करके अपनी आय बढ़ाना है, जिसमें रंग आदि का उपयोग किया जाता है। खुद को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करना है, क्योंकि इस उत्पाद से जुड़ा कोई ब्रांड नहीं है। अपने उत्पाद की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने और उचित विनिर्माण योजना को बनाए रखने के द्वारा उन्होंने इसे हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% देना होगा।

- **21. समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें:**

22. प्रस्ताव-सह-समूह सहमति

BUSINESS PLAN APPROVAL BY VFDS & DMU

Swasthani Maa Group will undertaken the Patal making livelihood Income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management & livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of amount Rs. 16,500/- Rs. has been submitted by group on 06/09/24 And the business plan has been approved by the VFDS. Chaplah Thikla

Business plan submitted through FTU for further action please.
Thank you

Poonam Sharma
Signature of Group President

Usha
Signature of Group Secretary

Approved

DMU – CUM - Dehra

23. FTU के माध्यम से DMU को प्रस्तुत किया गया

Resolution - cum - Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the group Swasthani Maa at FDS Chokhah Thikio. that our group will undertake the Patal Making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for improvement of Himachal- Pradesh Forest Ecosystem Management & Livelihoods (JICA Assisted).

Poonamsharma

Signature's of Group Pradhan

Usha

Signature's of Group Secretary

Submitted to DMU through FTU

Pawan Kumar

Name & Signature of FTU Officer

Range Forest Office,

kangra (H.P)

Shivani Dhiman

Name & Signature of FTU Coordinator

Approved

Name & Signature of DMU officer